चूत एक पहेली -36

“मुनिया- तू चोदता भी देर तक है.. मज़ा भी खूब देता है। मुझे एक बात समझ नहीं आई.. कि मैं चुदी हुई थी.. तब भी तेरे लौड़े ने मेरी जान निकाल दी.. तो निधि तो मुझसे बहुत छोटी है और कुँवारी भी है.. वो कैसे सह गई तेरे इस मोटे लौड़े को ? ...”

Story By: पिंकी सेन (pinky)
Posted: शनिवार, नवम्बर 14th, 2015
Categories: जवान लड़की
Online version: चूत एक पहेली -36

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

चूत एक पहेली -36

अब तक आपने पढ़ा..

> अर्जुन- वाह काकी.. इतने से दिन के इतने पैसे.. ये तो वाकयी में बड़े सेठ हैं।
> मुनिया- चल हट.. यह पूरे महीने की पगार है.. जल्दी ही वो वापस आएँगे.. मुझे पहले ही पैसे दे दिए.. ताकि मैं किसी और को काम के लिए 'हाँ' ना कह दूँ.. समझे..
> अर्जुन- अच्छा यह बात है.. मैं समझा ऐसे ही दे दिए..
> काकी- चल आजा.. तू भी खा कर देख, कैसा बना है ?
> अर्जुन ने भी थोड़ा हलवा खाया.. उसके बाद वहीं बैठ गया। काफ़ी देर तक तीनों बातें करते रहे।

अब आगे..

उसके बाद काकी ने कहा- मुझे तो नींद आ रही है.. तुम दोनों बातें करो.. मैं सोने जाती हूँ.. और मुनिया तू भी जल्दी आ जाना.. बातों में ना बैठी रहना।

दोस्तो, मुनिया का छोटा सा घर था.. एक कमरा.. उसके पास ही रसोईघर और छोटा सा आँगन.. उसके पास एक बाथरूम नहाने के लिए.. बाकी हाजत के लिए तो ज़्यादातर गाँव वाले खुले में ही जाते थे। घर के ऊपर छत.. बस जहाँ वो कपड़े सुखाते थे।

मुनिया अपनी माई के साथ एक ही कमरे में सोती थी। वहाँ दो चारपाई थीं.. कोई मेहमान आ जाए तो इन्होंने उसके लिए छत पर भी एक चारपाई रखी हुई थी।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

वैसे गरीबों के यहाँ कौन मेहमान आता है.. बेचारे खुद ही एक वक्त का खा पाते हैं बाकी वक्त तो भूखे ही रहते हैं। यही गरीबी की हक़ीकत है।

चलिए आगे देखते हैं..

मुनिया- माई तो सो गई.. चलो हम ऊपर जाकर बातें करेंगे।
दोनों ऊपर जाकर बैठ गए.. अर्जुन का मूड कुछ और ही था, वो मुनिया के कंधे से होता हुआ उसकी चूची सहलाने लगा।

मुनिया- अरे यह क्या कर रहे हो.. दोपहर में तो इतना दबाया था.. क्या तुम्हारा उससे मन नहीं भरा था।
अर्जुन- अरे मुनिया.. तू तो मेरी बरसों की तपस्या है.. ना जाने कब से इन रसीले अनारों को देख कर खुश होता था कि कब इनको दबाने का मौका मिलेगा.. कब इनका रस मेरे होंठों पर लगेगा.. और तू मना कर रही है।
मुनिया- बस अब रहने दो.. इतना वक़्त नहीं है मेरे पास.. माई ने क्या कहा.. सुना नहीं था क्या ?

अर्जुन- हाँ पता है.. जल्दी आने को कहा था.. मगर काकी एक बार सो जाए तो कहाँ उठती है।
मुनिया- तो इसका मतलब हम सारी रात यहाँ बैठ कर बातें करेंगे ?

अर्जुन- अरे मेरी भोली रानी.. बातों में क्या रखा है.. दोपहर में चुदाई अधूरी रह गई थी.. उसको पूरा करने करने आया हूँ।
मुनिया- चल हट बदमाश.. इतनी तो चुदाई करी थी.. अब मैं कुछ नहीं करूँगी।
अर्जुन- अरे मान जा ना.. तेरे चक्कर में वो सुखिया की बीवी को ‘ना’ कहकर आया हूँ.. वो आज के लिए तैयार थी।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मुनिया- तू बहुत हरामी हो गया है रे… किस-किस को चोदेगा.. मुझसे प्रेम करता है तो ये सब बन्द कर दे..
अर्जुन- अरे बंद कर दिया.. तभी तो उसको मना किया है। वैसे भी इस गाँव में ऐसा तगड़ा लौड़ा किसी के पास नहीं है और जिस-जिस को इसकी खबर लगी.. बस अपनी चूत मेरे आगे कर दी.. सबको बड़ा.. लौकी टाइप का लंड चाहिए होता है।

मुनिया- हाँ ये तो है.. तू चोदता भी देर तक है.. मज़ा भी खूब देता है। मुझे एक बात समझ नहीं आई.. कि मैं चुदी हुई थी.. तब भी तेरे लौड़े ने मेरी जान निकाल दी.. तो निधि तो मुझसे बहुत छोटी है और कुँवारी भी है.. वो कैसे सह गई तेरे इस मोटे लौड़े को ?

अर्जुन- अरे सहती कैसे नहीं.. उसको इतना गर्म कर दिया था और चूत को चाट-चाट कर साली को 2 बार झाड़ा.. उसके बाद जाकर कहीं लौड़ा पेला.. साली बहुत चिल्लाई.. मगर मैंने मुँह बन्द कर दिया उसका.. और चोदता रहा। पता है साली बेहोश तक हो गई थी.. मगर मैंने हार नहीं मानी और चोदता रहा। जब झड़ा तो ऐसा झड़ा कि मेरे लवड़े ने इतना पानी फेंका.. जितना पहले कभी ना फेंका हो। उसकी चूत से खून भी बहुत निकला था।

अर्जुन एक हाथ से अपने लौड़े को मसलता हुआ ये बात बता रहा था। उसका लंड निधि की चुदाई को याद करके तन गया था।
मुनिया- हे राम.. बेचारी बहुत रोई होगी ना.. कितना दर्द हुआ होगा उसको… वो यहाँ आई कैसे ?
अर्जुन- अरे तू क्या करेगी सब जानकर.. क्यों मुझे तड़पा रही है.. चल आजा ना.. मेरे लौड़े को ठंडा कर दे.. उसके बाद जो पूछना है.. पूछ लेना..
मुनिया- नहीं मुझे उसकी पूरी कहानी बताओ.. कैसे वो तेरे झाँसे में आई थी।
अर्जुन- ठीक है बताता हूँ.. मगर एक शर्त पर.. तू मेरा लौड़ा चूसती रह.. मैं कहानी सुनाता रहूँगा।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मुनिया उसकी बात मान गई। वो चारपाई पर बैठ गया.. उसके नीचे मुनिया उकड़ू बैठ गई और उसके लौड़े को चूसने लगी, उसने लौड़ा मुँह में लेते ही आँख से अर्जुन को बोलने का इशारा किया।

अर्जुन- तू भी मानेगी नहीं.. आह्ह.. आराम से चूस मेरी रानी.. कहीं दाँत लग गए तो कई लड़कियाँ विधवा हो जाएंगी.. मेरे लौड़े के बिना.. हा हा हा..

मुनिया बड़े प्यार से लौड़े को चूसने में लग गई थी।
अर्जुन- आह्ह.. अब मज़ा आ रहा है.. ऐसे ही चूस.. और सुन तू तो जानती ही है.. निधि का बड़ा भाई पक्का शराबी है.. रात-रात भर घर से बाहर रहता है और उसकी भाभी वासना की आग में जलती रहती है। बस इसी मौके का फायदा उठा कर मैंने उसकी बीवी को पटा लिया और अक्सर उसके घर के पिछवाड़े झाड़ियों में उसको चोदने जाता था।

एक दिन साली निधि.. पेशाब करने रात को उधर ही आ गई और हम दोनों को चुदाई करते हुए उसने देख लिया। उसकी भाभी बहुत डर गई कि अब सुबह पक्का हंगामा होने वाला है.. हमारी चुदाई भी अधूरी रह गई। वो निधि तो वहाँ से भाग गई.. मगर उसकी भाभी को डर था कि अभी किसी तरह उसको समझाती हूँ.. यही बोलकर वो वहाँ से चली गई।

मुनिया- बाप रे रात को झाड़ियों में.. डर नहीं लगता था तुमको ?
अर्जुन- अरे रानी जब चूत मिलती है ना.. तो मखमल के गद्दे नहीं.. बस मौका चाहिए.. जगह चाहे कैसी भी हो.. चलती है.. अब तू लौड़ा चूस और आगे का हाल सुन-

निधि नादान थी.. नासमझ थी.. उसको बस उस वक्त यही समझ आया कि जो हो रहा था.. वो बहुत गंदा था मगर वो खुद बहुत डर गई थी।
रात को तो उसकी भाभी ने उसे किसी तरह समझा दिया कि वो किसी को ना बताए और हुआ भी वैसा ही.. सुबह उसने किसी को कुछ नहीं बताया..

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मगर अब वो अपनी भाभी से थोड़ा रूखा बर्ताव करती थी और एक डर हमेशा उसकी भाभी को लगा रहता था कि ना जाने कब ये राज खोल दे..
बस इसी के चलते उसने मुझसे कहा कि किसी तरह इस निधि को चोद कर अपनी गुलाम बना लो.. ताकि हमारी चुदाई में कोई रुकावट ना आए।

मुनिया लौड़े को चूसे जा रही थी और अर्जुन की बातों से उसकी चूत भी गीली होने लगी थी, उसने इशारे से कहा कि आगे क्या हुआ ?

अर्जुन- सस्स.. आह्ह.. चूसती रह.. आह्ह.. मेरी गोटियाँ भी अपने हाथ से सहलाती रह.. तुझे आगे का हाल सुनाता हूँ.. आह्ह.. उफ़्फ़्फ़..।
एक दिन उसके घर में कोई नहीं था.. बस वो दोनों ही थे.. मैं वहाँ गया..

दोस्तो, उधर का सीधा हाल सुनिए।
भाभी- अरे आओ आओ अर्जुन, कैसे आना हुआ है ?
अर्जुन- वो भाभी, मुझे निधि से कुछ बात करनी थी.. अगर आप बुरा ना मानो तो ?

भाभी कुछ कहती, इसके पहले निधि ने कहा- मुझको तुमसे कोई बात नहीं करनी है !
मगर भाभी के ज़ोर देने पर वो मान गई।
निधि- बोलो क्या बात है ?
अर्जुन- वो निधि.. उस रात तुमने हमें देख लिया था ना.. भगवान की सौगन्ध.. उसके बाद हम दोबारा वहाँ नहीं गए.. तुम यह बात किसी को बताना मत.. हाँ.. और अपनी भाभी से ऐसे बर्ताव ना किया करो।
निधि- अगर बताना होता तो कब का बता देती.. मगर मुझे पता है इस बात से घर में झगड़ा होगा और तुम क्या कर रहे थे.. उससे क्या होता है.. मुझे ज़्यादा समझ भी नहीं आया.. बस बहुत गंदा लगा..

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

भाभी की नज़र मुझसे मिली.. उसने इशारे में कहा कि चिड़िया दाना चुग गई.. अब इसको जाल में फँसाना कोई मुश्किल काम नहीं है।

भाभी- अरे निधि.. वो बहुत मज़े का खेल है.. उसमें गंदा कुछ नहीं है।
निधि- खेल.. कैसा खेल भाभी.. और आप दोनों तो नंगे थे न उस समय ?
भाभी- अरे मेरी भोली ननद.. जैसे नहाते समय हम नंगे होते हैं और पानी बदन पर गिरता है.. तो कितना मज़ा आता है.. वैसे ही उस खेल में भी नंगा होकर ही मज़ा आता है.. समझी मेरी प्यारी ननद..
निधि- अच्छा भाभी.. सच्ची में अगर ऐसा है.. तो मुझे भी ये खेल खेलना है..
अर्जुन- अरे क्यों नहीं निधि.. तेरी जैसी कच्ची कली के साथ तो इस खेल का मज़ा ही दुगुना हो जाएगा।

भाभी- अर्जुन.. यहाँ नहीं.. तू निधि को अपने साथ खेत ले जा.. वहाँ तुम दोनों जितना मर्ज़ी ये खेल का मज़ा ले लेना.. यहाँ तो कोई ना कोई आ जाएगा.. वैसे सब घर वाले तो दूसरे गाँव शादी में गए हैं रात देर से आएँगे। तुम आराम से निधि को सब सिखा कर लाना।
अर्जुन- अरे सब बाहर गए हैं तो यहीं खेलता हूँ ना.. इसके साथ..

भाभी- नहीं अर्जुन.. बात को समझो.. यहाँ आस-पड़ोस की औरतें आती रहती हैं और यह एकदम कुँवारी है.. शोर भी ज़्यादा करेगी.. तू इसको खेत पर ही ले जा।

दोस्तो, उम्मीद है कि आपको कहानी पसंद आ रही होगी.. तो आप तो बस जल्दी से मुझे अपनी प्यारी-प्यारी ईमेल लिखो और मुझे बताओ कि आपको मेरी कहानी कैसी लग रही है।
कहानी जारी है।
pinky14342@gmail.com

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other sites in IPE

Desi Kahani

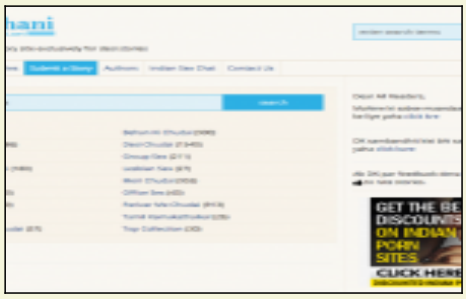

URL: www.desikahani.net **Average traffic per day:** 180 000 GA sessions **Site language:** Desi, Hinglish **Site type:** Story **Target country:** India Read over 6000+ desi sex stories and daily updated new desi sex kahaniyan only on DesiKahani.

Indian Sex Stories

www.indiansexstories.net **Average traffic per day:** 446 000 GA sessions **Site language:** English and Desi **Site type:** Story **Target country:** India The biggest Indian sex story site with more than 40 000 user submitted sex stories.

Pinay Sex Stories

URL: www.pinaysexstories.com **Average traffic per day:** 18 000 GA sessions **Site language:** Filipino **Site type:** Story **Target country:** Philippines Everyday there is a new Filipino sex story and fantasy to read.

Indian Pink Girls

URL: www.indianpinkgirls.com **Average traffic per day:** New site **Site language:** English **Site type:** Mixed **Target country:** India A Sexy Place for Indian Girls. It's first of it's kind launched for Indians. Find everything you read, watch and hear with respect to the women's perspective.

Indian Gay Porn Videos

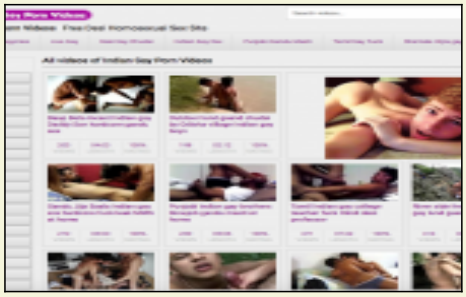

URL: www.indiangaypornvideos.com **Average traffic per day:** 10 000 GA sessions **Site language:** **Site type:** Video **Target country:** India Welcome to the world of gay porn where you will mostly find Indian gay guys enjoying each other's bodies either openly for money or behind their family's back for fun.

Hot Arab Chat

URL: www.hotarabchat.com **CPM:** Depends on the country - around 2,5$ **Site language:** Arabic **Site type:** Phone sex - IVR **Target country:** Arab countries Listing of phone sex services for Arabic speaking audience (web view).

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire